

গল্প

সামসু মিয়া



নাইম আবদুল্লাহ

সামসু মিয়ার নিজ বয়সের তুলনায় ভিক্ষার বয়স নেহাত কম না। পঁয়ষট্টি বছর বয়সে এসেও তার একটু আধটু চুরির স্বভাব রয়ে গেছে। বয়সের কারণে চুরিটা ছেড়ে দিতে চাইলেও বদ অভ্যাসের দায়ে ছাড়তে পারে না। এই কারণে বউ তাকে ছেড়ে চলে গেছে তাও প্রায় দুই যুগ আগে। অবশ্য বউয়েরও যে দোষ ছিল না তা না। ভিক্ষা করতে করতে সমিরনের প্রেমে মজেছিল সে। আবার সমিরনও ভিক্ষা করতে গিয়ে অন্য ভিক্ষুক প্রেমিকের হাত ধরে চলে গেছে। তাই ভিক্ষায় ভিক্ষায় কাটাকাটি। বিয়ের এক যুগ পরে তার আর সমিরনের ঘরে দুই মেয়ে হয়। বড় মেয়েটা জন্মের পর পরেই হামে মারা যায় আর ছোট মেয়ে কলমি সমিরনের সাথেই আছে। মাঝে মাঝে কলমি কে দেখতে খুব ইচ্ছে করে। কত বড় হয়েছে সে? শুনেছে কলমি সমিরন ও তার নূতন স্বামীসহ আদাবরে থাকে। আবার শুনেছে কলমির খুব ভালো ঘরে বিয়ে হয়েছে। জামাই নাকি বিদেশে থাকে। কি নাম কলমির মেয়েটার, কার মতো দেখতে হয়েছে?

বেশ কিছুদিন ধরে সামসু মিয়ার হাঁপানির টানটা আবার বেড়েছে। পশ্চিম শান্তিবাগের বড় মসজিদের পিছনের বস্তিতে থাকে সে। আজকাল যানজট এড়িয়ে ভিক্ষাতেও উপার্জন নেই। কারণ জ্যামে পরে মানুষগুলির মন মেজাজ এমনিতেই থাকে বিষিয়ে তার উপর ভিক্ষা চাইলে তেলে বেগুনে জ্বলে উঠে। সামসু মিয়া মনে মনে এই মানুষগুলির কোনও দোষ দেয় না। চক্ষের সামনে দিন জামানা কিভাবে বদলে যাচ্ছে। আগে ভিক্ষা দিতে না চাইলে মুখ ঘুরিয়ে চলে যেত আর এখন তেড়ে মারতে আসে। এখন আর সে দামী জিনিস চুরির রিস্কও নেয় না কারণ ধরা খেলে এই বয়সে কঠিন মার তার শরীরে সহবে না।

কিছুদিন আগে মালিবাগ মোড়ে ভিক্ষা শেষে সে বাড়ি ফিরছিল। ফুটপাথের উপর জুতা কালি করানোর সময় চেঙরা চেহারার এক যুবকের পেছনের পকেট থেকে মোবাইলটা ফুটপাথের

উপর তার सामने छिटके पड़े। सामसु मिया आर देरी ना करे मोबाइलटा तुले बोचकाय भरे लम्हा पाये बस्तिते फिरे आसे। तारपर अनेकक्षण धरे मोबाइलटा एदिक सेदिक नाड़िये देखे। हठां सेटा बेजे ठाय किभावे कथा बलवे बुझे उठते পারে ना। एभावे किछूक्षण पर पर मोबाइलटा बेजे चलाते बिरञ्जु हये से बालिशेर निचे रेखे देय। परदिन सकाले तार परिचित एक मोबाइल फोनेर दोकान थेके अन्य नम्बरेर एकटा सिम कार्ड योगाड करे। दोकानेर छेलेटा ताके बुझिये देय किभावे रिं बाजले कोथाय चाप दिये कथा बलते हवे। तारपर नम्बरटा एकटा कागजे लिखे देय। सामसु मिया मोबाइल फोनटा साथे साथे राखे आर मावे मावे उल्टे पाल्टे देखे भावे एहि बुझि केउ ताके फोन करवे। आछा कलमि वा तार जामाईयेर कि कोनओ मोबाइल फोन आछे? ओदेर साथे कि फोने कथा बला यावे? खुब ईछे करे ओदेर साथे कथा बलते। आवार भावे कथा बलते गेले तो ओदेर नाम्बार जाना लागवे? एभावे बेश किछुदिने से मोबाइल फोनटार कथा भुलेइ गेछिल।

एक सक्याय भराट कर्णेर एक लोक फोन करे तार ठिकाना जानते चाइलो। से काँपा गलाय तार बस्तिर ठिकाना बललो। मने मने भाबलो ताहले कि कोनभावे कलमि वा तार मा फोन नम्बर पेये जामाईके दिये फोन करे तार साथे देखा करते आसछे? तार बुकेर भेतर एकटा आनन्देर शिहरण वये याय। गत बहरे पाओया एकमात्र नूतन पाञ्जाबिटा परे से बस्तिर उठाने वसे रइलो। तार येन आर तर सइछे ना। अनेक परे एकटा लोक एसे ताके पुलिश परिचय दिये थानाय निये एलो। जानते पारलो ये फोन नम्बरटा तार मोबाइल फोने ता एकजन कुख्यात खुनिर। तार साथे खुनि लोकटार सम्पर्क कि ता जानार जन्य ताके हाजते राखा हयेछे। आर तार काछ थेके खुनिटार कोनओ तथ्य ना पाओया पर्यन्त ताके एहि हाजतेइ थाकते हवे। बिकाले एकटा आट नय बहरेर फुटफुटे मेये तार मायेर हात धरे हाजतेर ग्रिलेर सामने एसे दाड़ाय। ताहले कि कलमि तार मेयेके निये हाजते ताके देखते एसेछे? फौँटा फौँटा पानि तार दु चोख वेये गड़िये पड़े।